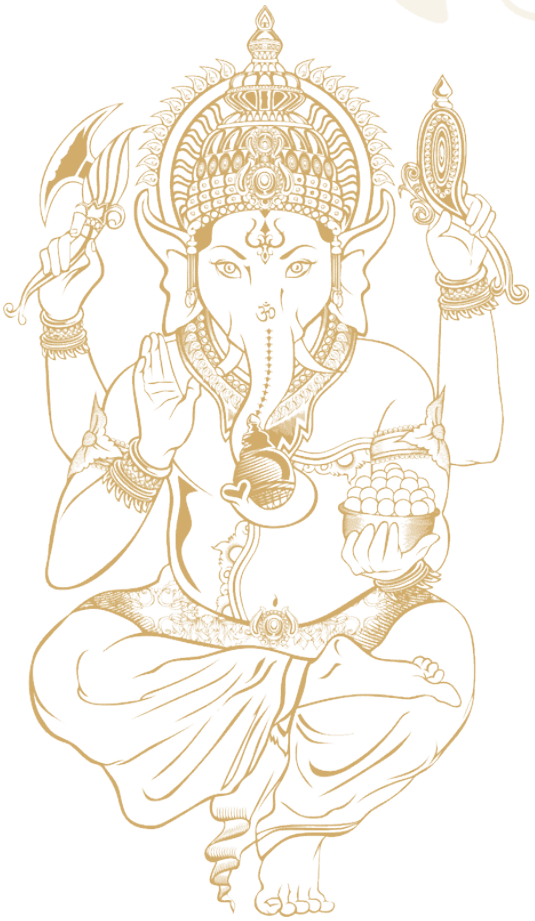

31 Jan 2026

02:47 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121122405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:47:00 घंटे**
इष्ट	19:02:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:25:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:24 घंटे
साम्पातिक काल	23:08:19 घंटे
सूर्योदय	07:10:09 घंटे
सूर्यास्त	17:59:19 घंटे
दिनमान	10:49:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:16:45 मकर
लग्न के अंश	06:29:32 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:29:32	329:52:06	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मक	17:16:45	01:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	26:50:51	14:28:29	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	12:01:29	00:46:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	24:10:06	01:45:48	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:12:21	00:06:46	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	23:11:06	01:15:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मीन	04:21:26	00:05:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:56:08	00:04:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:56:08	00:04:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:32	00:00:12	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:53:58	00:01:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:27:14	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	21:44:19	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

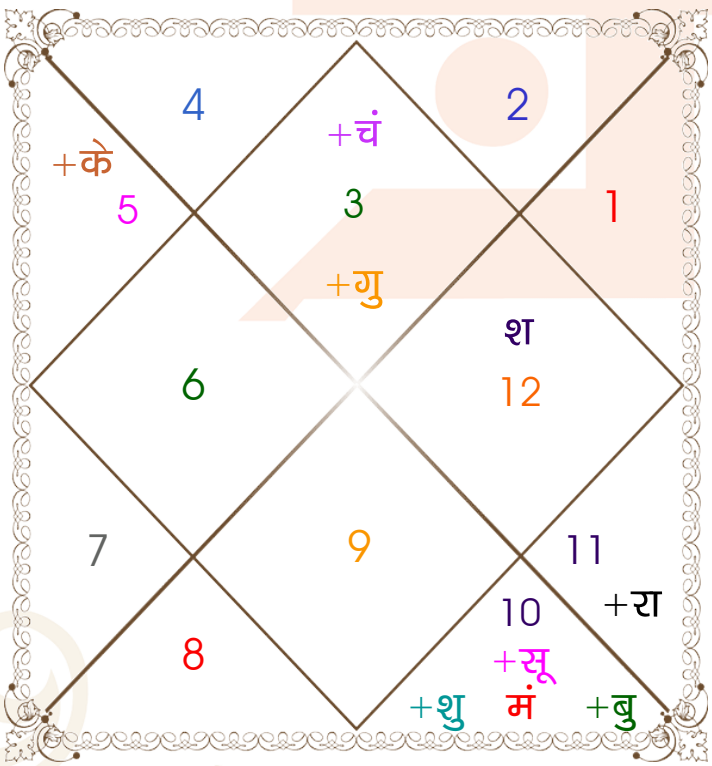

चन्द्र कुंडली

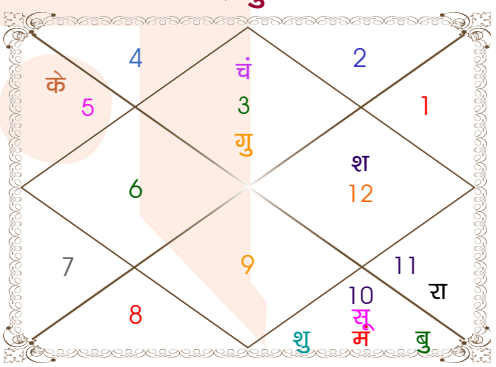

नवमांश कुंडली

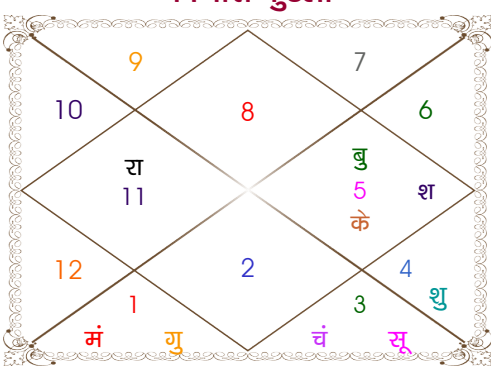

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 9 मास 12 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/01/2026		13/11/2033		13/11/2052		13/11/2069		13/11/2076	
13/11/2033		13/11/2052		13/11/2069		13/11/2076		13/11/2096	
	00/00/0000	शनि	16/11/2036	बुध	11/04/2055	केतु	11/04/2070	शुक्र	14/03/2080
	00/00/0000	बुध	27/07/2039	केतु	07/04/2056	शुक्र	11/06/2071	सूर्य	14/03/2081
	00/00/0000	केतु	04/09/2040	शुक्र	06/02/2059	सूर्य	17/10/2071	चंद्र	13/11/2082
	31/01/2026	शुक्र	04/11/2043	सूर्य	14/12/2059	चंद्र	17/05/2072	मंगल	13/01/2084
शुक्र	26/05/2028	सूर्य	16/10/2044	चंद्र	14/05/2061	मंगल	13/10/2072	राहु	13/01/2087
सूर्य	14/03/2029	चंद्र	18/05/2046	मंगल	11/05/2062	राहु	01/11/2073	गुरु	13/09/2089
चंद्र	14/07/2030	मंगल	26/06/2047	राहु	28/11/2064	गुरु	08/10/2074	शनि	13/11/2092
मंगल	20/06/2031	राहु	02/05/2050	गुरु	06/03/2067	शनि	16/11/2075	बुध	13/09/2095
राहु	13/11/2033	गुरु	13/11/2052	शनि	13/11/2069	बुध	13/11/2076	केतु	13/11/2096

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/11/2096		14/11/2102		14/11/2112		14/11/2119		14/11/2137	
14/11/2102		14/11/2112		14/11/2119		14/11/2137		00/00/0000	
सूर्य	02/03/2097	चंद्र	14/09/2103	मंगल	12/04/2113	राहु	28/07/2122	गुरु	02/01/2140
चंद्र	01/09/2097	मंगल	15/04/2104	राहु	30/04/2114	गुरु	20/12/2124	शनि	15/07/2142
मंगल	07/01/2098	राहु	14/10/2105	गुरु	06/04/2115	शनि	27/10/2127	बुध	20/10/2144
राहु	01/12/2098	गुरु	13/02/2107	शनि	15/05/2116	बुध	15/05/2130	केतु	26/09/2145
गुरु	20/09/2099	शनि	14/09/2108	बुध	12/05/2117	केतु	03/06/2131	शुक्र	01/02/2146
शनि	02/09/2100	बुध	13/02/2110	केतु	08/10/2117	शुक्र	03/06/2134		00/00/0000
बुध	09/07/2101	केतु	14/09/2110	शुक्र	08/12/2118	सूर्य	27/04/2135		00/00/0000
केतु	14/11/2101	शुक्र	15/05/2112	सूर्य	15/04/2119	चंद्र	26/10/2136		00/00/0000
शुक्र	14/11/2102	सूर्य	14/11/2112	चंद्र	14/11/2119	मंगल	14/11/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।